वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 105 | शनिवार 12 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

तीन दिवसीय इंडिया ट्रैवल मार्ट 2023 का आगाज

ट्रैवल-टूरिज्म फ्रेटरनिटी में खासा उत्साह, 'माइस एंड वेडिंग बी2बी एक्सपो, कॉन्क्लेव एंड अवॉर्ड्स' है थीम

जयपुर. शाबाश इंडिया

बी2बी ट्रैवल एंड टूरिज्म शोकेस और कॉन्क्लेव - इंडिया ट्रैवल मार्ट (आईटीएम) जयपुर का राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आगाज हुआ। इस 3 दिसवीय मार्ट की शुरूआत माइस (MICE) और वेडिंग पर सेशन के साथ हुई, जिसमें इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स ने इन संबंधित क्षेत्रों पर अपने विचार और सुझावा साझा किए। इस अवसर पर आईसीएम ग्रुप के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजय गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष आईटीएम माइस एंड वेडिंग बी2बी एक्सपो, कॉन्क्लेव और अवॉर्ड्स थीम पर आधारित है। गुप्ता ने आगे बताया कि मार्ट के दौरान उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल के स्टेट टूरिज्म बोर्ड्स के साथ-साथ होटेलियर्स, रिसॉर्ट्स, ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स आदि अपने-अपने टूरिज्म प्रोडक्ट्स प्रदर्शित कर रहे हैं। एग्जीबिशन का समय सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक है। इस दौरान स्टेट टूरिज्म बोर्ड, होटल्स और रिसॉर्ट्स के साथ बी2बी नेटवर्किंग भी होगी। इसके अतिरिक्त, कॉन्क्लेव में देशभर के इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के साथ नेटवर्किंग की भी सुविधा होगी। आईटीएम जयपुर का उद्देश्य प्रमोशनल व पब्लिसिटी गतिविधियों के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देना, बाजार से जुड़ी जानकारियों का आदान-प्रदान करना, सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करना और यात्रा में बाधाओं को कम करना है।

कैंसर अवेयरनेस के साथ दिए स्वास्थ्य सुरक्षा के भी सुझाव

जयपुर. कासं। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर और संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर अवेयरनेस हेल्थ टॉक शो एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सेमिनार आयोजित हुआ। चिकित्सकों ने कैंसर से बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि मानसरोवर के शिप्रा पथ स्थित एचसीजी कैंसर केयर हास्पिटल में आयोजित सेमिनार में डॉ.कार्तिक रस्तोगी एवं डॉ. आशुतोष जैन ने कैंसर से बचाव व उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान कैंसर केयर के लिए कंसल्टेंसी सहित मेमोग्राफी, पेप स्मीयर, पीएसए जांचें निः शुल्क की गई। सेमिनार में राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से रवि प्रकाश जैन- अग्रवाल फार्म, तरुण जैन- झोटवाड़ा, रेखा पाटनी-दुगार्पुरा, भंवरी देवी जैन-थड़ी मार्केट ने संयोजक के रूप में सेवाएं दीं। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने बताया कि हैल्थ टॉक शो एवं सेमिनार में लक्की ड्रॉ के माध्यम से श्रोताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान डॉ. कार्तिक रस्तोगी एवं डॉ. आशुतोष जैन सहित अन्य लोगों का माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

विश्व युवा दिवस के उपलक्ष में आज आयोजित होगी युवा महापंचायत

जयपुर. कासं

राजस्थान युवा बोर्ड अध्यक्ष सीताराम लाम्बा की अध्यक्षता में शुक्रवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम के कांफ्रेंस हॉल में राज्य स्तरीय युवा महापंचायत के संबंध में बैठक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बोर्ड अध्यक्ष लाम्बा ने बताया कि विश्व युवा दिवस (12 अगस्त) के उपलक्ष में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को युवा महापंचायत आयोजित होगी। इसमें युवा निति को और बेहतर बनाने के लिए युवा महापंचायत द्वारा राज्य सरकार को आवश्यक सुझाव दिए जायेंगे।

माटी की गणेश प्रतिमाएं बनाकर संस्कृति व प्रकृति रक्षा का लिया संकल्प

विद्या भवन पॉलिटेक्निक में आयोजित हुई माटी के गणपति कार्यशाला

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गणपति व देवी पूजा के लिए देश भर में मिट्टी की प्रतिमा बनाकर पूजने और विसर्जित करने की परम्परा बढ़ती फैलती जा रही है। पुरातन काल में सनातन संस्कृति और प्रकृति दोनों की रक्षा के प्रयोजनार्थ ईमानदार कोशिशें होती रहीं। बाद में वह स्वरूप विकृत होकर शुरू में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की छोटी सफेद मूर्तियों में बदला और धीरे धीरे कब विराट कैमिकल युक्त रंगीन मूर्तियों में तब्दील हो गया, पता ही नहीं चला। आज फिर से इस बात की जरूरत आन पड़ी है कि घर मोहल्लों और मंदिरों में अवसर विशेष पर स्थापना कर पूजित गणेश और अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाएं सूक्ष्म, सांकेतिक और कच्ची माटी की बनाकर पूजने और विसर्जित करने के विचार कला विशेषज्ञ कृष्ण केशव काटे ने विद्या भवन पॉलिटेक्निक में आयोजित माटी के गणपति कार्यशाला में शुक्रवार को व्यक्त किए। गौरतलब है कि यह कार्यशाला मार्तण्ड फाउंडेशन, सक्षम संस्थान तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के साझे में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने किया। इस दौरान प्रशिक्षक काटे ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन प्रतिमाओं में बीजों को भी रख दें और तालाब, नदियों में विसर्जन के बजाय चाहें तो घर पर ही किसी जल पात्र में विसर्जन कर उसे किसी बगीचे में अर्पण कर दें। गौरतलब है कि काटे के निर्देशन में बीसियों प्रतिभागियों ने मिट्टी से गणपति प्रतिमा बनाई और पत्तियों, फूलों व दूब से उनका श्रृंगार भी करके प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यशाला के प्रारम्भ में विभागाध्यक्ष जे पी श्रीमाली ने प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा रासायनिक रंगों से निर्मित प्रतिमाओं से झील, तालाब सहित पूरे पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया। अन्त में गौरांग शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कलाविद लक्ष्मी मूर्ति और योगाचार्य सुरेश पालीवाल सहित नगर के कई प्रबुद्ध पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

साहित्यकारों से संवाद और रचनाकर्म को अधिकतम तक पहुंचाना और संग्रहण रहेगा ध्येय: डॉ. सहारण

राजस्थान साहित्य अकादमी में प्रारंभ हुआ विजुअल रिकॉर्डिंग स्टूडियो

उदयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान साहित्य अकादमी का ध्येय प्रांत के साहित्यकारों के रचनाकर्म और उनके जीवन-संघर्ष एवं वैचारिक संवाद को अधिकतम तक पहुंचाना है और इसी प्रयोजन से शुक्रवार को अकादमी परिसर में विजुअल रिकॉर्डिंग स्टूडियो की विधिवत शुरूआत हुई। अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण, सरस्वती सभा सदस्य किशन दाधीच, डॉ. मंजु चतुर्वेदी और प्रवेश परदेशी ने फीता काट कर स्टूडियो का उद्घाटन किया। अकादमी के स्टूडियो प्रभारी जयप्रकाश भटनागर ने बताया कि उद्घाटन के तुरंत बाद से ही रचनाधर्मी और कैमरामित्र राकेश शर्मा 'राजदीप' के निर्देशन में रिकॉर्डिंग प्रारंभ कर दी। पहले दिन अकादमी के सर्वोच्च मीरां पुरस्कार से समादृत साहित्यकार डॉ. राजेंद्र मोहन भटनागर एवं डॉ. जयप्रकाश पंड्या ज्योतिपुंज से क्रमशः डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू एवं चेतन औदिच्य ने संवाद किया। वहीं विद्वान, लोककला मर्मज्ञ डॉ. महेंद्र भानावत से भी डॉ. जुगनू का संवाद हुआ तो विचारक, विश्लेषक वेददान सुधीर ने ''साहित्य के मूल प्रश्न'' विषय पर अपनी बात दर्ज की। अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि अकादमी में अब निरंतर ऐसी रिकॉर्डिंग विविध विषयों पर होती रहेगी। अकादमी प्रांत एवं देश के साहित्यकार से कविता, कहानी, बहस, परिचचाएं आयोजित कर इस रिकॉर्डिंग को अपनी लाइब्रेरी में भविष्य के उपयोग हेतु संरक्षित रखते हुए अकादमी के यूट्यूब चैनल पर संपादित कर जारी करेगी। इससे साहित्यकारों की बात अधिकतम तक पहुंचेगी और दृश्य-श्रव्य दोनों रूप संरक्षित भी होंगे। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

बाड़ा पदमपुरा की 21वी पदयात्रा का आयोजन 7 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा बाड़ा पदमपुरा 21 वीं पदयात्रा दिनांक 07 अक्टूबर शनिवार को दोपहर 12.30 बजे श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर से जायेगी। परिषद के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) व महामंत्री पारस जैन बोहरा (दुदू वाले)ने बताया की हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी युवा परिषद द्वारा पदमपुरा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा ' परिषद सभी लोगो अपील करता है की ज्यादा से ज्यादा सख्या मे इस पदयात्रा मे शामिल होकर धर्म की प्रभावना मे अपना योगदान दे।

धैर्य से ही समस्याओं को सुलझा सकते हैं: आचार्य विवेक सागर जी महाराज

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

सही दिशा में प्रयास नहीं करने का कारण जीवन में अशांति है, जीवन की वास्तविक उपलब्धि के लिए आप सभी का प्रयास पर्याप्त नहीं है, सुखी रहने का सबसे बड़ा उपाय प्राप्त को पर्याप्त मानकर जिओ यह उद्गार आचार्य विवेक सागर महाराज ने पंचायत छोटा धड़ा नसियां में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहे। आचार्य महाराज ने कहा विपरीत परिस्थितियां, प्रतिक्रिया, भय और अहम यह अशांति के मूल तत्व हैं, हर मनुष्य के साथ विपरीत परिस्थितियां आती हैं, प्रकृति का भी नियम है हमेशा दिन नहीं रहता, दिन के बाद रात भी होती है , मनुष्य के मन की सबसे बड़ी कमजोरी है वह विपरीत परिस्थितियों में घबरा जाता है, हमेशा जीवन में याद रखना चाहे घर-परिवार की बात हो, सामाजिक कार्य की बात हो धैर्य कभी मत खोना, धैर्य सबसे बड़ी ताकत है, अधीर कभी मत होना, धैर्य से ही समस्याओं को सुलझा सकते हो।

सुख प्राप्त करने के लिए सही दिशा में चलना होगा: मुनि श्री महत सागर जी महाराज

योग के साथ प्रकृतिक जीवन जीने की कला सीखें। योग के साथ उपचार प्राप्त करने का सुनहरा मौका हम सब को मिला है: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में तीन दिवसीय प्राकृतिक उपचार योग शिविर का आयोजन 11 से 13 अगस्त को श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में सुभाष गंज मैदान किया जा रहा है। प्राकृतिक उपचार योग शिविर का शुभारंभ आज संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की वंदना के साथ प्रातः काल की वेला में योगाचार्य श्री नवीन भइया दारा किया गया।

दवाइयां के उपयोग को छोड़कर प्राकृतिक उपचार लें

योग शिविर के प्रारंभ में मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में हो रहे इस भव्य चातुर्मास में श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी द्वारा अनेक आयोजन किए जा रहे हैं इसी श्रंखला में आज हमारे वीच वरेली से योगाचार्य श्री नवीन भइया के निर्देशन में प्राकृतिक उपचार योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। हम दवाइयां को छोड़ कर प्राकृतिक उपचार के माध्यम से स्वस्थ रहें। इस हेतु योगाचार्य नवीन भइया वर्षो से देशभर के विभिन्न नगरों में पहुंच कर प्राकृतिक उपचार के साथ योग के द्वारा लोगों के जीवन को स्वस्थ बना रहे हैं। अगले दो दिनों तक के तीन तीन सत्र में ये हमें योग के साथ ही प्राकृतिक चिकित्सा से अवगत

करायेंगे ।इस अवसर पर योगाचार्य श्री नवीन भइया ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा पाकर हम लोगों ने प्राकृतिक चिकित्सा को अपने सेवा का आधार वनाया और भाग्योदय तीर्थ में प्राकृतिक चिकित्सा को देते हुए इसकी वारीकियो को समझी और उन्हें सरल वनाकर जनता तक पहुंचा रहे हैं इसके साथ ही योग जो कि स्वस्थ जीवन का आधार वने इसके लिए हमें नियमित योग करते रहना चाहिए अगले दो तीन दिनों में हम योग के साथ ही प्राकृतिक जीवन जीने की कला सीखेंगे इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मन्दिर संयोजक उमेश सिघई सह संयोजक रोहित सिघई जैन युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई सचिन एम पी निर्मल मिर्ची नवीन सर मोहित मोहरी ने योगाचार्य नवीन भइया का बहुमान किया। आज धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि श्री महतसागरजी महाराज ने कहा कि सुख सभी चाहते हैं।

जिनवाणी धर्म का मर्म समझाने के साथ देहालय से सिद्धालय तक पहुंचाने वाली: दर्शनप्रभाजी म.सा.

दूसरों का घर बना नहीं सकते तो कानों के माध्यम से उसमें आग लगाने का काम मत करो

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनवाणी धर्म का मर्म समझाने के साथ देहालय से सिद्धालय तक पहुंचाने वाली है। हम जो कर रहे है वह सही है या गलत है ये जिनवाणी ही समझाती है। कर्म निर्जरा का श्रेष्ठ माध्यम जिनवाणी है। जिंदगी में भले सभी धोखा दे सकते है लेकिन जिनवाणी कभी धोखा नहीं देंगी। इसमें कोई दिखावट, बनावट या मिलावट नहीं होने से ये सबका भला करने वाली है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में आयोजित चातुर्मासिक धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिनवाणी किसी का बुरा नहीं कर सर्वहित की बात करती है। हम संत दीक्षा लेकर अणगार नहीं बन सके तो श्रावक व्रत स्वीकार कर आगारी तो बन ही सकते है। यदि हम किसी का घर बना नहीं सकते है तो कम से से कम कानों के माध्यम से दूसरों के घर में आग तो नहीं लगाए। धर्म व गुरू के बिना जीवन

में कुछ नहीं है। जब भी कोई संकट आता है हमे धर्म व गुरू की ही याद आती है। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि धर्म करते रहो ओर उसका साथ कभी मत छोड़ो। अपने घर व समाज की फूट को बाहर उजागर नहीं करना चाहिए। बातों को पचाने की क्षमता भी हमारे में होनी चाहिए। जिंदगी में दया पालो की अवधारणा को अंगीकार कर ले तो सर्वसुख की प्राप्ति हो सकती है। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह रानी केतुमति की जिद के सामने राजा भी लाचार होकर अंजना को काले वस्त्र पहना वन भेजने के लिए आज्ञा प्रदान कर देता है। ये कर्मो की कहानी है जो सती अंजना को भोगनी पड़ रही है। अंजना सखी बसंतलता के साथ वन में पहुंच संयम साधना करने लगती है। वह कहती है अब शील व धर्म ही उनका रक्षक है। तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि तपस्या के साथ जीवन में संयम भी जरूरी है। भूख से कम खाने की साधना उनोंदरी तप भी श्रेष्ठ होता है। कर्म निर्जरा करने पर ही जीवन सार्थक बन सकता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी,परिवार, शरीर सभी हमारा साथ छोड़ जाएंगे केवल धर्म ही है जो जीवन के बाद भी साथ जाएगा। जो हमारे साथ जाएगा उसका हम ध्यान ही नहीं रखते ओर जो साथ छोड़ जाने वाले है उनकी संभाल में लगे है। सर्वाधिक ध्यान धर्म पर देना होगा। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं तरूण तपस्वी साध्वी हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा में कोटड़ा से पधारे सुश्रावक पारसमल लोढ़ा का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

वेद ज्ञान

उचित मार्ग का माध्यम अध्यात्म

युवा जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और वे इसका तत्काल समाधान चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनके लिए सब कुछ अभी इसी पल में हो जाए। जब तक वे अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को संभालना नहीं सीखेंगे, तब तक वे कुछ गलत रास्तों का भी चुनाव करते रहेंगे। आज के युवा पहले की तुलना में कहीं अधिक मानसिक बीमारी, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से ग्रस्त हैं। वे इस बात को ध्यान में रखें कि गलत रास्तों को अपनाने पर उन्हें कुछ समय के लिए रोमांच मिल सकता है, लेकिन यह स्थायी नहीं होता है। दरअसल, हर युवा खुशी और उत्साह के लिए तरसता रहता है। अध्यात्म वह है, जो मन में उत्साह को प्रज्ज्वलित करता है। हमारे युवाओं को यह एहसास करने की जरूरत है कि वे मानवीय गुणों के साथ ही रचनात्मक कार्य कर सकते हैं। उन्हें यह भी एहसास करने की जरूरत है कि उनमें बहुत क्षमता है और वे जो कुछ भी हासिल करना चाहते हैं, उसे पाने की शक्ति भी उनमें है। वास्तव में सिर्फ भौतिक वस्तुएं या सुविधाएं किसी को आराम नहीं दे सकती हैं। हर कोई शांति, स्थिरता, चैन और सच्चे प्रेम के लिए तरस रहा है। आध्यात्मिकता उन्हें यह सब प्रदान कर सकती है। सेवा भारतीय अध्यात्म का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस तीव्र इच्छा को पूरा करने की ऊर्जा युवाओं में है। जब सेवा जीवन का एकमात्र उद्देश्य होता है, तब मन में एकाग्रता आती है। कर्म उद्देश्यपूर्ण हो जाते हैं और दीर्घकालिक सुख मिलता है। आध्यात्मिकता के सेवा के पहलू को इस्तेमाल कर अपने भय और अवसाद को समाप्त किया जा सकता है। यदि आप निराश हैं या किसी अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं, तो अपने कमरे से बाहर निकलें और लोगों से पूछें कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं? यदि आप सेवा करेंगे, तो वह आपके अंदर क्रांति लाएगा। जब स्वयं को दूसरों की मदद करने में व्यस्त रखेंगे, तब आपको यह एहसास होगा कि परमात्मा आपका बहुत अच्छी तरह से ख्याल रख रहे हैं। आपकी निराशा प्रेम और कृतज्ञता में परिवर्तित हो जाएगी। अंदर से बंधा हुआ मन आज युवाओं के बीच एक बड़ी समस्या है। उन्हें हमेशा यह चिंता सताती रहती है कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं? यह आदत निश्चित तौर पर उनके निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है।

संपादकीय

दिल्ली में हालात चिंताजनक, खतरनाक स्ट्रेन है डेंगू टाइप-2

इस साल फिर दिल्ली में डेंगू का प्रकोप जैसा दिख रहा है। यह चिंताजनक है। डेंगू से पीड़ित लोगों की संख्या जिस तरह बढ़ रही है, उससे साफ है कि सरकार और आम लोगों को समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि डेंगू के फैलाव को लेकर बरती गई लापरवाही इस बीमारी को घातक शक्ल दे सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली में इस महीने के शुरूआती पांच दिनों में ही डेंगू के एक सौ पांच मामले पाए गए। रोजाना औसतन इक्कीस नए रोगी इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। यह आंकड़ा दिल्ली नगर निगम की रिपोर्ट में दर्ज मामलों के आधार पर है। वास्तव में इससे कहीं ज्यादा लोग डेंगू के दायरे में आ चुके हैं। ज्यादा चिंता की बात यह है कि डेंगू से पीड़ित कम से कम आधे मरीजों को अस्पतालों या डाक्टरों के क्लीनिकों में भर्ती कराने की नौबत आ रही है। गनीमत यह है कि इस साल डेंगू के मरीजों के बीच प्लेटलेट की संख्या तो गिर रही है, लेकिन खून नहीं निकल रहा है। हालांकि

यह कोई सुरक्षित स्थिति होने की गारंटी नहीं है, क्योंकि इस बार डेंगू टाइप-2 को मरीजों के लिए एक खतरनाक स्ट्रेन माना जा रहा है। दिल्ली में नगर निगम की रिपोर्ट के मुताबिक डेंगू के मरीजों की संख्या इस वर्ष करीब साढ़े तीन सौ तक पहुंच गई है। पिछले छह वर्ष के दौरान जनवरी से अगस्त के पहले हफ्ते की अवधि के दौरान इस बार स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। पिछले वर्ष की तुलना में भी इस वर्ष डेंगू पीड़ित लोगों की संख्या दोगुनी है। यों दिल्ली में डेंगू का दंश कोई नई बात नहीं है। सरकार से लेकर आम लोगों तक को इसकी गंभीरता और खतरे का अंदाजा है। विडंबना है कि जिन मच्छरों के काटने से यह बुखार फैलता है, उसके नियंत्रण के लिए न तो सरकार की ओर से पर्याप्त इंतजाम किए जाते हैं, न ही लोग अपने स्तर से जरूरी सावधानी बरतते हैं। जबकि सबको पता है कि डेंगू फैलाने के लिए जिम्मेदार मच्छरों की प्रकृति क्या है, वह किस वक्त काटता है और उससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए। मगर इस मसले पर बरती गई व्यापक लापरवाही का नतीजा यही है कि अब फिर डेंगू अपने आक्रामक तेवर में लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। मुश्किल यह है कि कई बार लोग बुखार को सामान्य और मौसमी संक्रमण मान लेते और उसी तरह उसका इलाज भी करते हैं। जबकि यह संभव है कि इस मौसम में होने वाला बुखार डेंगू के रूप में पल रहा हो। शुरूआती लापरवाही का नतीजा तब पता चल पाता है जब खून में प्लेटलेट की कमी होने लगती है। जबकि अगर समय रहते जांच करा कर इसका पता लगा लिया जाए तो इस बुखार के खतरे को कम किया जा सकता है। घर और आसपास डेंगू के मच्छरों के पलने और बढ़ने से रोकने के लिए पानी जमा न होने देने के साथ-साथ बुखार की जांच जैसी बहुत छोटी सावधानियां बरत कर इससे बचना संभव है। लेकिन अफसोस यह है कि न तो वक्त पर सरकार इससे बचाव को सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से जरूरी कदम उठाती है और न आम लोगों के बीच अपेक्षित जागरूकता और सतर्कता देखी जाती है। नतीजतन, जिस डेंगू का सामना करना और उससे बचना आसान है, उसकी चपेट में आकर लोगों की स्थिति गंभीर हो जाती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सर्वोच्च व्यवस्था...

आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर हिंसा को लेकर अपनी व्यवस्था दे दी है। पहले उसने केंद्र और राज्य सरकार से सख्त लहजे में कहा था कि मणिपुर में हिंसा रोकने के लिए आप कुछ कीजिए, नहीं तो हम करेंगे। मगर सरकारों ने उसके निर्देश को गंभीरता से नहीं लिया। फिर दूसरी सुनवाई में प्रधान न्यायाधीश ने और सख्त टिप्पणी की थी कि मणिपुर में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अदालत ने मणिपुर पुलिस से पूछा था कि बलात्कार और हिंसा के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में इतना समय क्यों लगा। उसने तमाम प्राथमिकियों का ब्योरा भी मांगा था, मगर पुलिस के पास ऐसा कोई आंकड़ा नहीं था। इस बार मणिपुर के पुलिस महानिदेशक को तलब किया गया था। उनके सामने ही अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने तीन सेवानिवृत्त महिला न्यायाधीशों की एक न्यायिक समिति की घोषणा की। इस समिति की व्यापक भूमिका होगी। वह सीबीआइ जांचों की निगरानी के साथ-साथ निदान, राहत, मुआवजे और पुनर्वास संबंधी प्रयासों का आकलन करेगी। वह राहत शिविरों की निगरानी भी करेगी। इसके अलावा महाराष्ट्र के एक पूर्व पुलिस महानिदेशक को सीबीआइ जांच पर नजर रखने के लिए नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दलों पर निगरानी के लिए बाहर के पुलिस अधीक्षक श्रेणी के अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इस तरह सर्वोच्च न्यायालय ने पहले से चल रही जांचों को न तो रोका है और न मुकदमों को बाहर भेजा है, पर केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से चल रही गतविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी है। यह पहला मौका है जब सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकार की व्यवस्था के ऊपर अपनी एक व्यवस्था लागू कर दी है। इससे स्पष्ट है कि अब भी सर्वोच्च न्यायालय को सरकार की व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। न्यायिक समिति सीधा सर्वोच्च न्यायालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। स्वाभाविक ही इससे सीबीआइ और राज्य जांच दल अपनी जांचों में कुछ संजीदा हो सकेंगे। दरअसल, मणिपुर में हिंसक टकराव चलते तीन महीने से ऊपर हो गए, मगर अब तक उसे रोकने के लिए न तो राज्य सरकार की तरफ से कोई गंभीर प्रयास दिखाई देता है और न केंद्र की तरफ से। पुलिस पर भी पक्षपातपूर्ण व्यवहार के आरोप लगते रहे हैं। इस हिंसक टकराव में करीब दो सौ लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों घर और पूजा स्थल आग के हवाले किए जा चुके हैं। अनेक महिलाओं के साथ बलात्कार की शिकायतें हैं। दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़क पर घुमाने की घटना ने तो पूरी दुनिया को विचलित कर दिया था। उसके बाद भी सरकारें गंभीर नजर नहीं आईं। रोज ही हिंसक घटनाएं हो जाती हैं। उपद्रवी तत्त्व पुलिस शस्त्रागारों से हथियार लूट ले जाते हैं और वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती है। राहत शिविरों में करीब साठ हजार लोग त्रासदी झेल रहे हैं। मणिपुर के लोग लंबे समय से केंद्र सरकार से यह हिंसा रोकने की गुहार लगा रहे हैं। मगर इस दिशा में कोई भरोसेमंद पहल नहीं दिखती। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय का यह सख्त कदम निश्चित रूप से मणिपुर के लोगों में संवैधानिक व्यवस्था के प्रति भरोसा पैदा करने वाला है।

जीवन मे सत्य का समावेश हो जाए तो मनुष्य परमात्मा को प्राप्त कर सकता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। सत्य ही भगवान है। शुक्रवार को साहूकार पेठ के जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने तपस्वीयों और एकासन व्रत करने वाले सैकड़ों बहनों एवं श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि जीवन मे सत्य का समावेश हो जाए तो मनुष्य परमात्मा को प्राप्त कर सकता है। और अपने जीवन मे सुंगध भर सकता है। सत्य के बिना वास्तविकता में संसार मे कुछ भी नहीं है। जहां सत्य है,वहां ज्ञान है,जहाँ सत्य नहीं,वहाँ ज्ञान भी नहीं होगा। सत्य के बिना जीवन में किसी भी सिद्धांत या नियम का पालन करना असंभव है।क्योंकि सत्य ही शास्वत है और भगवान भी लेकिन मनुष्य सत्य को जानता है परन्तु फिर भी स्वीकारता नहीं है। सत्य को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक मूल्य चुकाना पड़ता है वहीं सत्य को प्राप्त कर लेने से हम अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं जिससे मानवता का आधार मजबूत होता है और मानव मात्र पर विश्वास टिका रहता है क्योंकि जहाँ सत्य नहीं होता वहाँ आराजकता और अन्याय अपना मुँह उठाते हैं। सत्यवादी को सब सिध्दीया प्राप्त होती है सत्य भाषण से प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जैन दर्शन मे जिस महान सत्य कि घोषणा कि गई है वह सत्य अनेकांतवाद जीनवाणी कहती है सर्वगुण सम्पदाएँ सत्यवक्ता में आ जाती है । साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि इन्द्रियो मे आशक्त मनुष्य सत्य को देखता और जानता हुआ भी उसे झूठ लाने का प्रयास करता है। क्यों मनुष्य मोहान्ध होकर अन्याय और कपट के मार्ग को अपना लेता है,और धर्म के मार्ग से विमुख हो जाता है। जिस कारण से वो जीव इस लोक और परलोक मे क्लेश और कष्टों का भागी बनता हैं। उसकी धारणा होती है जब तक जीओ सुख से जीओ चाहे उसको ऋण भरना पड़े जीवन मगर एशो आराम से जिना है क्योंकि ना कौई पुनरागमन है ना हि कौई परलोक। श्री एस.एस जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया इसदौरान एकासन व्रत करने वाले सभी तपस्वीयो ने श्री संघ के पदाधिकारीयो मे अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी,सज्जनराज सुराणा,हस्ती मल खटोड़,सुरेश डूगरवाल,बादलचन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी,महावीर कोठारी,अशोक सिसोदिया पदमचन्द ललवानी,मोतीलाल ओस्तवाल,देवराज कोठारी,शांति लाल दरडा एवं महिला मंडल की उपस्थिति मे एकासन करने वालो ने महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप करके साध्वी स्नेहप्रभा से महामंगल पाठ लेकर साहूकार पेठ मे सभी ने एक साथ एकासन व्रत किये।

दो दिवसीय राखी एवम विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक लाहोटी ने किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

बंधन ग्रुप द्वारा प्रायोजित महिलाओं द्वारा महिलाओं के उत्थान एवम स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य हेतु दिनांक 11 अगस्त 2023 को प्रदर्शनी का उद्घाटन आज जयपुर शहर के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक लाहोटी द्वारा किया गया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी एवम बिक्री शहर के दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर, दुगार्पुरा, जयपुर में आयोजित की जा रही है। इस शुभ अवसर पर विधायक अशोक लाहोटी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवम प्रदर्शनी के आयोजकों एवम स्टॉल लगाने वाले को प्रदर्शनी की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर जैन समाज के श्रीमती चांद देवी, मैना देवी सोगानी एवम श्रीमती बीना टोंग्या जी ने दीप प्रज्वलित किया। इस प्रदर्शनी में दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री श्री महावीर बाकलीवाल, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, मंत्री विनोद कोटखवादा, शाबास इंडिया के संपादक राकेश गोदिका, समाचार जगत से चक्रेश जैन, एवम जैन श्रमण संस्कृति के दर्शन जैन की गरिमामई उपस्थित रही। प्रत्येक स्टॉल पर प्रदर्शित सामान का अवलोकन किया एवम आव्हान किया की इस प्रदर्शनी में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर महिलाओ एवम आयोजकों का उत्साह वर्धन करे। यह प्रदर्शनी इसी स्थान पर 12 अगस्त,शनिवार को भी चालू रहेगी।

ज्ञानतीर्थ पर दिया आहारदान और किया वृक्षारोपण

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में जैन मिलन की महिलाओं द्वारा चौका लगाकर आहार दिया और सभी ने मिलकर नारियल के बृक्ष के पौधे लगाए। जैन मिलन की अध्यक्षा रूबी जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन मिलन महिला की वर्धमान शाखा मुरेना की सभी बहिने श्री दिगम्बर जैन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर पहुंची । वहां विराजमान बड़े बाबा श्री आदिनाथ

एवम श्री पार्श्वनाथ भगवान की पूजा अर्चना कर क्षेत्र पर विराजमान सप्तम पट्टाचार्य श्री ग्येयसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज और मुनिश्री नियोगसागर महाराज को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन मिलन महिला वर्धमान की सभी बहिनों ने मिलकर समस्त साधुओं के आहार के निमित्त चौका लगाया । नवधा भक्ति पूर्वक साधुओं का पढ़गाहन कर सभी को आहार दिया। आहार के लिए चौके में आये सभी साधुओं का निरंतराय आहार हुआ। आहारचर्या के पश्चात क्षेत्र पर विराजमान ब्रह्मचारिणी बहिन ललिता दीदी के सानिध्य में सभी बहिनों ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर के प्रांगण में नारियल के वृक्ष लगाए। इस अवसर पर वीरांगना सरिता जैन, बबिता जैन, रूबी जैन, रीना जैन, अंजली जैन, दीपाली जैन, अंजना जैन, मंजू जैन, दीपिका जैन, सुप्रिया जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

विवेक विहार जैन मंदिर प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मनाया जाएगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत में विवेक विहार जैन मंदिर प्रांगण में अमृत महोत्सव समापन के तहत हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत की गई । कार्यक्रम संयोजक नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि 15 अगस्त को विवेक विहार जैन मंदिर प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मनाया जाएगा। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रातः काल 7:00 बजे से हर घर तिरंगा झंडा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें तकरीबन 110 परिवारों को झंडा वितरित किया गया। कार्यक्रम संयोजक नरेश जैन ने बताया कि झंडा वितरण आज से 14 तारीख तक चलेगा। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस ,सेक्रेटरी सुरेंद्र पाटनी, सहमंत्री दीपक सेठी, भागचंद पाटनी, शशी जैन, मैना कासलीवाल,असीम पर्तगिया नीरज ठोलिया, समीर जैन सीए, मोहित जैन, मोनिका जैन, महिला मंडल अध्यक्ष सरला बगड़ा, डॉ मनीष जैन एवं समाज के सदस्यगण उपस्थित रहे।

अहंकार और घमंड ही मनुष्य के जीवन का पतन करता है: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अंहकार और घमंड ही मनुष्य के जीवन का पतन करता है शुक्रवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे महासती प्रितीसुधा ने सेकड़ों श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश देते हुए कहा कि धर्म और जमीन से जुड़ा व्यक्ति जीवन मे उपलब्धियो को हासिल करने के बाद भी घमंड और अंहकार को अपने उपर हावी नहीं होने देता है। परन्तु आज मनुष्य चंद उपलब्धियाओ और धन को पाकर स्वयं को भगवान समझ रहा है ।वो सोचता कि दुनिया मेरे ही भरोसे पर चल रही है। जबकि संसार में किसी के होने नहीं होने पर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला,दुनिया कल पर चल रही थी आज भी चल रही है,और आगे भी इसी तरह चलती रहेगी। जबकि सूर्य, चंद्रमा,धरती,आकाश और वायु जिनके बल बूते पर मनुष्य का जीवन गतिमान है मगर उन्हें कभी न इस बात को जताया ना ही कभी गुमान किया है, तो मनुष्य के पास ऐसा है, क्या जो वो दौलत,शोहरत,सोंदर्य ज्ञान,बुध्दि,बल या एक जमीन के छोटे से टुकड़े पर अभिमान और घमंड कर रहा है । क्या यह सब मनुष्य अपने साथ ले जा सकता है ।फिर किस चिज पर मनुष्य को इतना घमंड है ? जबकि यह सब मनुष्य के जीवन के पतन के मार्ग कि वस्तुएं है। जो सुख त्याग मे है वो सुख धन दौलत और वस्तुओं से मनुष्य को सुख नहीं मिलने वाला है ।दुनिया मे वही इंसान महान बनते है जिसमे अभिमान और घमंड नही होता है।

गुलाबीनगर ग्रुप की एकदिवसीय धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिये गुलाबीनगर ग्रुप के 40 सदस्य बस से सवेरे 7.30 बजे जैन भवन , महावीर नगर से रवाना हुई। कार्यक्रम के संयोजक महावीर मुन्नादेवी कासलीवाल है। सर्वप्रथम माधोराजपुरा में भगवान श्री पार्श्वनाथ के दर्शन , कलशाभिषेक का शोभाग्य प्राप्त हुआ। तथा मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा ग्रुप के सुनील बज अध्यक्ष व विनोद बड़जात्या सचिव का माला पहनाकर स्वागत किया। माधोराजपुरा से रवाना होकर फागी में जैन मंदिर में माताजी से आशीर्वाद लिया व तीन मंदिरों में देव दर्शन किये। तथा ग्रुप के सदस्यों ने स्वादिष्ट नाश्ता लिया। फागी से रवाना होकर गुणस्थली में भगवान शांतिनाथ के दर्शन करके श्री गुणसागर जी महाराज की समाधिस्थल पर सामूहिक पूजन पाठ करके लंच किया। गुणस्थली से रवाना होकर अतिप्राचीन जैन मंदिर मौजमाबाद में अतिप्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन करते हुये सदस्यों ने किशनगढ़ में मार्बल स्लरी से निर्मित डम्पिंग यार्ड का सेर सपाटा करके नारेली जैन मंदिर में श्री मुनिसुवर्तनाथ भगवान के दर्शन किये। पहाड़ पर स्थित जैन मंदिर के भी दर्शन किये। शाम को भोजन करके सामूहिक आरती करके जिन शासन जैन मंदिर मदार अजमेर में दर्शन करते हुये रात्रि में जयपुर पहुंचे। अंत मे सुनील बज अध्यक्ष व विनोद बड़जात्या सचिव ने यात्रा के संयोजक महावीर मुन्ना देवी कासलीवाल को यात्रा में स्वादिष्ट नाश्ता, लंच, डिनर की व्यवस्था के लिये, महावीर पांड्या को पूजन व राजेन्द्र छारेडा को बस की व्यवस्था तथा सभी सदस्यों को यात्रा को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

निवाई में जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा का हुआ गठन

जयपुर में आचार्य सौरभ सागर महाराज से लिया आशीर्वाद, बैनर का किया विमोचन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा शुक्रवार को जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा के नेतृत्व में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा का शुभारंभ करके गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा मंत्री विमल जौंला उपाध्यक्ष सुनील भाणजा सहमंत्री हितेश छाबड़ा सचिव राजेश बनेठा को बनाया गया। इस दौरान चुने गए पदाधिकारियों का सम्मान श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुंधाशु कासलीवाल उमराव मल संधी भारत-भूषण जैन, जैन सोशल ग्रुप मैत्री के अध्यक्ष अतुल बिलाला यशकमल जैन अजमेरा राजेन्द्र बड़जात्या छोटा गिरनार के अध्यक्ष प्रकाश चंद बाकलीवाल सहित सभी जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर सम्मानित किया। जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा के मंत्री विमल जौंला ने बताया कि इस ग्रुप में और सदस्य जोड़े जाएंगे जिसमें सोशल कार्यक्रम किए जाकर धर्म की प्रभावना करेंगे।

श्रद्धा के बिना भक्ति लँगड़ी होती है: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान करने का सौभाग्य नवीन रजवास वाले जयपुर वालों ने प्राप्त किया। आज की अखण्ड शांतिधारा करने का सौभाग्य पारसचंद चैनपुरा वाले एवं सुरेश सांवलियाँ वालों को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात गुरु माँ ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि भक्ति राग में नहीं तमें होती है। मीरा, सबरी, मैना सुंदरी आदि जैसी भक्ति करने से ही फल मिलता है। भक्ति का प्रथम सोपान है श्रद्धा। श्रद्धा पूर्वक भक्ति करने से पाप कर्म कटते है, असाध्य रोग दूर हो जाते हैं। श्रद्धा के बिना हमारी भक्ति लँगड़ी, लूली, अंधी होती है।

कर्मयोगी डॉ सुभाष जैन का 82वां जन्मदिन मनाया गया

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया

विगत 30 वर्ष से अधिक समय से जन जन को निशुल्क अकुप्रेशर चिकित्सा प्रदान कर दिव्य स्वास्थ्य का वरदान देने वाले डॉ सुभाष जैन जी का 82वाँ जन्मदिन श्रद्धा, सेवा व उत्साह से मनाया गया। सुबह आराध्य धाम जिनालय में प्रभुजी का अभिषेक, शांति धारा व विधान अनुष्ठान में भाग लेकर उन्होंने दिगम्बर जैन आचार्य श्री अरुण सागर जी का आशीर्वाद लिया। उपस्थित सभी जनों के भंडारे की व्यवस्था भी की गयी। वर्धमान सेवा सोसायटी, आचार्य ज्ञान सागर जी सेवा समिति, एलाएन्स इंटरनेशनल क्लब, खुशियों का खजाना, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जैन सभा, जैन इंजिनियरस सोसाइटी, INA आदि संस्थाओं के पदाधिकारियों ने आकर उन्हें 82वें जन्मदिन की बधाइयाँ दीं। इन सभी संस्थाओं से डॉ सुभाष जैन कई दशकों से जुड़े हैं व सभी के माध्यम से सेवा कार्यक्रम करते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण देकर हजारों को योग्य चिकित्सक बना दिया है, जो आज दिव्य स्वास्थ्य प्रदान करने की मुहिम में लगे हैं। अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद प्रांगण में चलने वाली अमृता पाठशाला के बच्चों ने भी उनका जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया व उनके स्वस्थ, शतायु होने की कामना की। NCR में गुरूजी के नाम से जाने जाने वाले डॉ सुभाष जैन व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती

उर्मिल जैन (गुरु माँ) को समाज के सभी वर्ग के सदस्यों ने आकर जन्मदिन की बधाइयाँ दीं। इसी उपलक्ष में चिकित्सा शिविर, प्रशिक्षण शिविर, अन्न दान के कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

जेएसजी नॉर्थ के सेवा सप्ताह के पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर. कासं। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा नॉर्दर्न रीजन के आव्हान पर 13 अगस्त से 20 अगस्त 2023 तक सेवा सप्ताह पोस्टर का विमोचन श्याम दरबार रेस्टोरेंट में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन एवं सचिव राजेंद्र जैन ने बताया कि सेवा सप्ताह के दौरान गोशाला मैं गायों को चारा वितरण, पीकॉक गार्डन में कबूतरों को चुगगा वितरण, पक्षी चिकित्सालय सांगानेरी गेट में पक्षियों को दवा वितरण, जेके लोन हॉस्पिटल में जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन, आकांक्षा स्पेशल स्कूल में झंडारोहण एवं खोनागोरियां में पौधारोपण किया जाएगा। पोस्टर विमोचन में मनीष झंझरी संस्थापक अध्यक्ष, संजय जैन पूर्व अध्यक्ष, अभय गंगवाल पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य समन्वयक, सुनील सोगानी उपाध्यक्ष एवं मुख्य समन्वयक, सुकेश काला संगठन मंत्री, संजय काला कोषाध्यक्ष, अजय जैन, विशुतोष चंदवाड, संजय गोधा संयोजक एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

आवश्यकता

शाबाश इंडिया समाचार पत्र को जिला एवं राज्य स्तर पर युवा संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क करें :

94140 78380
92140 78380

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com